# हारे को जिताया गिरते को उठाया भजन लिरिक्स

हारे को जिताया,
गिरते को उठाया,
मेरी लाज बचाता है,
मेरा बाबा खाटू वाला है,
भक्तों का रखवाला है।bd।

तर्ज – रातों को जगाया।

---

तेरे दर पे देखा ये नजारा,
हँसता रोता कहता तू हमारा,
एक बार जिसने तुझको निहारा,
अपने आप ही आया वो दोबारा,
ऐसा रिश्ता बनाया,
जो किसी ने ना निभाया,
करके तूने दिखाया है,
मेरा बाबा खाटू वाला है,
भक्तों का रखवाला है।bd।

---

धीरे धीरे नाव चल रही है,
आंधी और तूफां से वो भिड़ी है,
ये तो बस तेरी ही कृपा है,
मेरी जो हर बात बन रही है,
माझी बनके आया,
मेरी नाव चलाया,
साहिल भी दिलाया है,
मेरा बाबा खाटू वाला है,
भक्तों का रखवाला है।bd।

---

हारे को जिताया,
गिरते को उठाया,
मेरी लाज बचाता है,
मेरा बाबा खाटू वाला है,
भक्तों का रखवाला है।bd।

**Singer & Lyrics – Sahil Sharma**

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com